मूल्य 1 रु.
वर्ष: 12 - अंक : 78, मुंबई, गुरुवार, 21 अप्रैल, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र फोन टैपिंग कंट्रोवर्सी

मुंबई पुलिस का दावा

फडणवीस सरकार में 60 दिन तक संजय राउत और एकनाथ खड़से की फोन टैपिंग हुई

संवाददाता

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर लगातार हमलावर रहे शिवसेना सांसद संजय राउत और बीजेपी छोड़कर एनसीपी में शामिल हुए पूर्व मंत्री एकनाथ खड़से को लेकर मुंबई पुलिस ने बड़ा दावा किया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पुलिस ने खड़से को बताया कि शुक्ला ने सिर्फ उनका ही फोन टैप नहीं किया बल्कि उनके असिस्टेंट और उनके करीबियों में से एक कार्यकर्ता का भी फोन टैप करवाया था। मुंबई पुलिस के मुताबिक, कई बार बड़े नेता व्यस्त होते हैं, तब ऐसी स्थिति में उनके असिस्टेंट को लोग फोन करते हैं।

रश्मि शुक्ला पर दर्ज है केस

महाराष्ट्र एसआईडी की पूर्व प्रमुख रश्मि शुक्ला के खिलाफ दर्ज एफआईआर के मुताबिक उन्होंने पद पर रहते हुए कई लोगों की फोन टैपिंग करवाई। इसमें कई बड़े नाम शामिल थे। इस मामले में रश्मि शुक्ला का बयान दो बार दर्ज किया गया। जांच अधिकारियों का आरोप है कि शुक्ला जांच में सहयोग नही कर रही थीं। इसलिए अब जरूरत पड़ने पर फिर से उनका बयान दर्ज करवाने के लिए बुलाया जा सकता है।

करोड़ों रुपये की हेरोइन के साथ विदेशी नागरिक गिरफ्तार

पड़ताल में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। द्वारका जिले के कैफान सेल (अवैध विदेशी और नशीले पदार्थों के खिलाफ दस्ता) ने हेरोइन तस्करी करने वाले एक अफ्रीकी नागरिक को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से पुलिस ने 270 ग्राम हेरोइन बरामद की है। जब्त हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत लगभग 2.70 करोड़ रुपये आंकी गई है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

3 मई के बाद राज्य में विस्फोटक स्थिति पैदा हो सकती है, गृह विभाग ने जारी किया अलर्ट

अमरावती में हुई हिंसा को लेकर संरक्षक मंत्री यशोमती ठाकुर ने कहा कि विवाद झंडा फहराने को लेकर पैदा हुआ है। भाजपा कार्यकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया है। बीजेपी अमरावती में तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। महाराष्ट्र के मौजूदा हालात को देखते हुए दंगा भड़काने की कोशिश की जा रही है। बीजेपी सत्ता पाने के लिए ये सब कर रही है

मुंबई। एक गोपनीय पुलिस रिपोर्ट में 3 मई के बाद राज्य में विस्फोटक स्थिति पैदा हो सकती है। राज ठाकरे ने 3 मई को मस्जिदों पर लगे हॉर्न को हटाने का अल्टीमेटम दिया है। रिपोर्ट उसी पर आधारित है। इसलिए गृह विभाग ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। गृह मंत्री दिलीप वलसे-पाटिल ने कहा है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। महाराष्ट्र पुलिस की गोपनीय रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में अशांति पैदा करने के लिए आंदोलन चल रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र पुलिस इस संबंध में तैयार है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कैश वैन लेकर भागे चालक को नवी मुंबई पुलिस ने किया गिरफ्तार

82,50,000 रुपये में से 81,41,000 रुपये किये गये बरामद किए

मुंबई। नवी मुंबई पुलिस ने कैश वैन लेकर भागे चालक को गिरफ्तार कर उसके पास से नकदी बरामद की है, जबकि सुरक्षा एजेंसी के अन्य कर्मचारी पिछले सप्ताह उल्वे में बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में नकदी जमा कर रहे थे। आरोपी चालक को पनवेल में एसटी बस डिपो से उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह चोरी की नकदी लेकर शहर से भागने वाला था। नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त बिपिन कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने कुल 82,50,000 रुपये में से 81,41,000 रुपये बरामद किए हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

व्यवस्था के पक्ष में

राजधानी दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में घटी सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ताजा फैसलों का महत्व समझा जा सकता है। योगी सख्त प्रशासक के रूप में जाने जाते हैं और उनके ताजा निर्देश इस बात की ताईद करते हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य की कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया कि नए धार्मिक जुलूसों की इजाजत न दी जाए और न ही नए धर्मस्थलों पर लाउडस्पीकर लगाने की। पारंपरिक जुलूसों और शोभायात्राओं के संदर्भ में भी उन्होंने तय मानदंडों का हरसूरत में पालन कराने का निर्देश दिया है। इसमें कोई दोराय नहीं कि आस्था नितांत निजी विषय है और देश का आईन अपने सभी नागरिकों को उपासना की आजादी देता है। लेकिन आस्था जब प्रतिस्पर्द्धा में तब्दील होने लगे, तब वह नियमन के दायरे में भी आ जाती है। बहुधर्मी भारतीय समाज में पूजा-इबादत की विविधता इसके सांस्कृतिक सौंदर्य का अटूट हिस्सा है और दुनिया इसकी मिसालें भी देती रही है। यह विशेषता एक दशक या दो सदी में हासिल नहीं हुई, समाज ने सहस्राब्दियों में इसको अर्जित किया है। पर इतिहास की तल्ख घटनाओं को कुरेदने की राजनीति से भाईचारे की संस्कृति को चोट पहुंच रही है। यही वजह है कि 21वीं सदी के तीसरे दशक में जब हमारी ऊर्जा विज्ञान व पर्यावरण के जटिल मुद्दों को सुलझाने में खर्च होनी चाहिए थी, हमें सांप्रदायिक-सामुदायिक एकता को बचाने के लिए खर्च करनी पड़ रही है। ऐसा क्यों है?दरअसल, धार्मिक आडंबरों, जिदों के आगे समर्पण और इस या उस समुदाय के प्रति सख्ती-नरमी भरे प्रशासनिक रवैये से इस प्रवृत्ति को बढ़ावा मिला है। यकीनन, इसके लिए हमारा समूचा राजनीतिक वर्ग जिम्मेदार है। किसी एक पार्टी या संगठन को इसके लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यदि प्रशासन पर सियासी दबाव न होते, तो ऐसी बहुत सारी समस्याएं सामाजिक विद्वेष की वजह ही नहीं बन पातीं। ऐसे में, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने उचित ही साफ किया है कि अब किसी के साथ कोई रियायत नहीं बरती जाएगी। किसी भी धार्मिक जुलूस या शोभायात्रा के मार्ग, समय-अवधि या इसमें शिरकत करने वाले श्रद्धालुओं के संख्याबल को लेकर पुलिस की अपनी नियमावली है। यदि इसका ईमानदारी से पालन हो, तो न ट्रैफिक की समस्या हो सकती है और न सामाजिक माहौल बिगड़ सकता है, पर अक्सर इसकी अनदेखी होती है, जैसा कि जहांगीरपुरी विवाद में बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी का उत्तर प्रदेश में इसे सख्ती से लागू करने और पारंपरिक जुलूसों व शोभायात्राओं से पहले सभी धर्मों के सम्मानित गुरुओं की बैठकें करने का निर्देश टकराव टालने में अहम साबित होगा। प्रशासन को शोभायात्राओं में घातक हथियारों के प्रदर्शन के मामले में भी कठोर निगरानी करनी चाहिए। इसी तरह, मौजूदा यांत्रिक युग में अब बहुत ऊंची आवाज लगाने की आवश्यकता भी नहीं रह बची है। बेहतर तो यही होता कि सभी धर्मों के धर्माधिकारी सर्वधर्म सभा का आयोजन कर ऐसी मिसालें पेश करते और अपने-अपने समुदाय का मार्गदर्शन करते, मगर जब बदगुमानियां बढ़ने लगी हैं, सांप्रदायिक दुराव शांति-व्यवस्था के लिए खतरा बन गया है, तब राज्य-सत्ता का हस्तक्षेप उसका दायित्व भी है और जरूरत भी। देश को आर्थिक तरक्की के लिए शांत भारत चाहिए। दंगे और तनाव उसकी खुशहाली व प्रतिष्ठा को ग्रहण ही लगाएंगे।

राणा अयूब को क्यों मलाला बनाना?

दूसरी अहम बात यह है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के साथ साथ सोशल मीडिया में इनको बदनाम करने और धमकी देने का अभियान भी चल रहा है, जो बेवजह इन्हें शहीद बना रहा है। अगर इनकी बौद्धिक गतिविधियों से सरकार या भारतीय जनता पार्टी को दिक्कत हो रही है तो उसका बौद्धिक तरीके से ही जवाब दिया जाना चाहिए। ये लोग जो लिख रहे हैं, कोई दूसरा बौद्धिक उसका जवाब दे सकता है। लेकिन अगर बौद्धिक गतिविधियों का जवाब केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से दिया जा रहा है तो इसका मतलब है कि सरकार के पास सहिष्णुता की कमी तो है ही साथ ही अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित बौद्धिकों की भी भारी कमी है।

भारत के ज्यादातर पढ़े-लिखे लोग भी राणा अयूब को नहीं जानते हैं। वे अमेरिकी अखबार 'द वाशिंगटन पोस्ट' में कॉलम लिखती हैं और नरेंद्र मोदी सरकार की घोषित आलोचक हैं। ऐसे ही आतिश तासीर को भी देश के ज्यादातर लोग नहीं जानते हैं। वे पत्रकार हैं और तवलीन सिंह के बेटे हैं। तवलीन सिंह भी पत्रकार हैं और कांग्रेस, खासकर सोनिया गांधी परिवार की घनघोर आलोचक हैं। एक जमाने में वे नरेंद्र मोदी की समर्थक रही हैं। इन दिनों वे मोदी सरकार की नीतियों के विरोध में लिखती हैं, इसके बावजूद सोनिया गांधी के परिवार के प्रति उनकी नफरत कम नहीं हुई है। आकार पटेल को भी देश के ज्यादातर लोग नहीं जानते हैं। वे भी स्तंभकार हैं और एमनेस्टी इंडिया के प्रमुख रहे हैं। इन तीन नामों- राणा अयूब, आतिश तासीर और आकार पटेल में क्या समानता है? ये तीनों ऐसे पत्रकार हैं, जिनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों ने कार्रवाई की है और उस कार्रवाई की सुर्खियां पूरी दुनिया में बनी हैं। पूरी दुनिया के मीडिया संस्थान और यहां तक की सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं भी इनके समर्थन में उतरी हैं। इनके खिलाफ हुई कार्रवाई ने दुनिया की नजरों में भारत के लोकतंत्र का मान घटाया है। इन पर हुई कार्रवाई की वजह से दुनिया में यह धारणा बनी है कि भारत एक असहिष्णु और प्रेस की आजादी खत्म करने वाला देश बन गया है।

क्या ये तीनों इतने महत्वपूर्ण हैं या इनके लिखे से सचमुच भारत की सरकार या एक देश के नाते भारत की छवि खराब हो रही थी, जो इनके खिलाफ इतनी शिद्दत से कार्रवाई की गई? ये लोग जो लिख रहे हैं उसे पढ़ने वालों की संख्या बहुत मामूली है और उससे प्रभावित होने वालों की संख्या तो और भी कम है। अगर सरकार यह सोचती है कि इनके लिखने या बोलने से दुनिया में भारत की छवि खराब हो रही है तो यह सरासर गलतफहमी है। किसी भी देश या सरकार के बारे में धारणा किसी पत्रकार या स्तंभकार के लिखने से नहीं बनती है। सरकारों के बारे में धारणा उसके कामकाज से बनती है। राणा अयूब, आतिश तासीर और आकार पटेल के लिखने-बोलने से भारत सरकार की जितनी छवि नहीं खराब हुई उससे ज्यादा खराब इनके ऊपर कार्रवाई करने के काम से हुई है।

राणा अयूब क्या लिखती हैं यह ज्यादातर लोगों को पता नहीं है लेकिन इस बात की चर्चा पूरी दुनिया में हुई कि 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने उनके समर्थन में एक पन्ने का विज्ञापन प्रकाशित किया। इस अमेरिकी अखबार ने 'कोएलिशन अगेंस्ट ऑनलाइन वायलेंस' के साथ मिल कर 'वाशिंगटन पोस्ट प्रेस फ्रीडम पार्टनरशिप' के तहत पूरे पन्ने का बयान जारी किया। इसमें कहा गया है, 'तकरीबन हर दिन राणा अयूब को हिंसा और मौत की धमकियां मिलती हैं। वो पक्षपातपूर्ण जांच और ऑनलाइन उत्पीड़न का निशाना बन रही हैं। परोपकार कार्यों से जुड़े उनके बैंक खाते को सील कर दिया गया। पत्रकारों को अभियोजन और बदनामी से नहीं डरना चाहिए'। क्या यह पढ़ कर अफगानिस्तान की मलाला यूसुफजई का ध्यान नहीं आ रहा है, जिन्हें लड़कियों की शिक्षा की बात करने के लिए गोली मार दी गई थी और उसके बाद वे पूरी दुनिया में कट्टरपंथी इस्लाम के सार्थक विरोध का प्रतीक बन गईं? उनको नोबल पुरस्कार भी मिला। क्या उसी तरह भारत के हिंदू कट्टरपंथी और सरकार दोनों मिल कर राणा अयूब को एक प्रतीक नहीं बना रहे हैं? क्या उनसे पूरी दुनिया में यह मैसेज नहीं जा रहा है कि भारत में हिंदू कट्टरपंथी संगठन और सरकार भी एक महिला के लेखन से घबरा रहे हैं और उसके खिलाफ अभियान चला रहे हैं, उसे मारने की धमकी दे रहे हैं और उसे बदनाम कर रहे हैं?

ध्यान रहे भारत सरकार की एजेंसियों ने राणा अयूब के ऊपर धन शोधन के आरोप लगाए हैं और उनकी संपत्ति भी जब्त की है। इसी बहाने उनको विदेश जाने से भी रोक दिया गया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने यह रोक हटाई है और उनको विदेश जाने की इजाजत दी। जांच एजेंसी ने अदालत में कहा कि वे विदेश जाती हैं तो हो सकता है कि नहीं लौटतीं। सोचें, अगर नहीं लौटतीं तो कौन सी आफत आ रही थी। हजारों करोड़ रुपए का घोटाला करके अनगिनत लोग देश से भाग गए और नहीं लौटे। सरकार को उनकी चिंता नहीं है, लेकिन राणा अयूब पर आरोप है कि उन्होंने परोपकार के कार्यों के लिए 2.69 करोड़ रुपए जुटाए, जिसमें गड़बड़ी हुई है तो उसकी इतनी चिंता है। इसकी जांच में एजेंसी ने उनकी 1.77 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है और खाते सील कर दिए हैं। फिर भी इस बात की जिद लगाए थी कि उनको विदेश नहीं जाने देंगे। राणा अयूब अकेली पत्रकार नहीं हैं, जिनके साथ सरकार ऐसा बरताव कर रही है। आकार पटेल को भी बेंगलुरू हवाईअड्डे पर रोक लिया गया। वे अमेरिका जा रहे थे, लेकिन उनको जहाज में नहीं चढ़ने दिया गया। सीबीआई ने उनके खिलाफ लुकआउट सरकुलर जारी किया है, जिसके बारे में दिल्ली की एक अदालत ने यहां तक कहा कि सीबीआई को तत्काल सरकुलर वापस लेना चाहिए और एजेंसी के प्रमुख को आकार पटेल से माफी मांगनी चाहिए। बाद में सीबीआई की विशेष अदालत ने भी सरकुलर वापस लेने का आदेश दिया। आकार पटेल का मामला भी सारी दुनिया में चर्चित हुआ है। लेकिन देश की सबसे प्रीमियर एजेंसी कमर कस कर लगी है कि वह आकार पटेल को विदेश नहीं जाने देगी। ऐसे ही तवलीन सिंह और उनके बेटे आतिश तासीर का मामला है। तासीर के पिता पाकिस्तानी हैं, लेकिन भारतीय माता की वजह से उनको ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया यानी ओआईसी कार्ड मिला हुआ था।

उन्होंने अमेरिका की 'टाइम' मैगजीन में प्रधानमंत्री मोदी के ऊपर आर्टिकल लिखा, जिसमें मोदी को 'डिवाइडर इन चीफ' बताया। इसके तुरंत बाद उनका ओआईसी कार्ड रद्द कर दिया गया। हालांकि बाद में उनको अमेरिका की नागरिकता मिल गई। राणा अयूब, आकार पटेल और आतिश तासीर प्रतिनिधि नाम हैं। इस तरह के और भी कई चेहरे हैं, जो पत्रकार हैं, लेखक हैं या गैर सरकारी संगठनों से जुड़े हैं। उनके ऊपर छोटे-छोटे मामलों में केंद्रीय एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई की है। अगर इन्होंने कोई गलती की है तो कानूनी कार्रवाई जरूर होनी चाहिए लेकिन चुनिंदा कार्रवाई से ऐसा प्रतीत होता है कि जान बूझकर इनको निशाना बनाया जा रहा है। दूसरी अहम बात यह है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के साथ साथ सोशल मीडिया में इनको बदनाम करने और धमकी देने का अभियान भी चल रहा है, जो बेवजह इन्हें शहीद बना रहा है। अगर इनकी बौद्धिक गतिविधियों से सरकार या भारतीय जनता पार्टी को दिक्कत हो रही है तो उसका बौद्धिक तरीके से ही जवाब दिया जाना चाहिए। ये लोग जो लिख रहे हैं, कोई दूसरा बौद्धिक उसका जवाब दे सकता है। लेकिन अगर बौद्धिक गतिविधियों का जवाब केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से दिया जा रहा है तो इसका मतलब है कि सरकार के पास सहिष्णुता की कमी तो है ही साथ ही अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित बौद्धिकों की भी भारी कमी है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

शील डायगर पुलिस ने सुलझाई गुमशुदा मंगेश मारुति पाटील की गुत्थी

जमीनी विवाद को लेकर 50 हजार रुपए की सुपारी देकर चचेरे भाई ने कराई हत्या

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। शील डायगर पुलिस ने गुमशुदा मंगेश मारुति पाटील की हत्या की गुत्थी सुलझीई इस पूरे मामले में कलवा विभाग के एसीपी व्यंकट आधळे द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेन्स में मिली जानकारी के अनुसार गत 14 अप्रैल गुरुवार को शील डायगर पुलिस स्टेशन मैं उद्देश्य मारुति पाटिल द्वारा अपने भाई मंगेश मारुति पाटील वर्ष 25 रहवासी वाकलन गांव का बताया जा रहा है उनके द्वारा बताया गया मेरा भाई 12 अप्रैल मंगलवार को घर से यह बोलकर निकला था कि मैं लोधा पलावा जा रहा हूं उसके बाद से उसका ना फोन लग रहा है और ना कुछ पता चल पा रहा है शील डायगर पुलिस ने इस मामले मैं गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करते हुए छानबीन शुरू कर दी मंगेश मारुति पाटिल का जब फोन का सीडीआर निकाला गया तब उसमें एक नंबर पुलिस के हाथ लगा जिसमें से यह नंबर मात्र मंगेश को फोन करने के लिए ही इस्तेमाल किया गया था पुलिस को शक हो गया कि यह नंबर मंगेश का ट्रैप लगाने के लिए ही इस्तेमाल किया गया है पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए यह नंबर के मालिक को उठा

मृतक मंगेश मारुति पाटील

लिया उसका नाम बताया जा रहा है प्रवीण रामदास जगताप वर्ष 26 रहवासी पाचवा मैल कालिकामाता मंदिर के करीब नाना पावसे चाल रूम नंबर 2 कल्याण जिला थाना का बताया जा रहा है पुलिस की कथित पूछताछ के बाद यह पता चला यह व्यक्ति मंगेश मारुति पाटिल का मौसेरा चाचा है उसने बताया कि मैंने अपने मित्र राहुल विरभान सूर्यवंशी के साथ मिलकर चचेरा भाई अक्षय पाटिल द्वारा दी गई 50 हजार रुपए की सुपारी लेकर हम लोगों ने हत्या कर दी आरोपी द्वारा बताया गया मंगेश मारुति पाटिल का और उसके चचेरे भाई अक्षय पाटिल का पुरखों की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था और इसी विवाद में मंगेश मारुति पाटील अक्षय पाटिल के आड़े आ रहा था जमीनी विवादों के कारण अक्षय पाटिल ने हम लोगों को सुपारी देकर मंगेश मारुति पाटील की हत्या करवा दी और यह हत्या हम लोगों ने षड्यंत्र कर मंगेश मारुति पाटील को फोन कर बुलाया और अपनी फोर्ड फिएस्टा गाड़ी में उल्हासनगर ले जाकर खूब दारू पिला कर हम लोगों ने उसका गला दबाकर हत्या कर दी और उसकी लाश को मुरबाड में दफन कर दिया उन दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने मुरबाड परिसर से उसकी लाश बरामद की लाश को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया गया इन आरोपियों के विरुद्ध में शील डायगर पुलिस ने सीआरपीसी 113/2022 भारतीय दंड संहिता आईपीसी की धारा 302, 364, 201,120 (इ) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया यह कार्रवाई थाना पुलिस आयुक्तालय के अधिकारी के नेतृत्व में की गई मा, श्री अनिल कुंभारे अप्पर पुलिस आयुक्त पश्चिम प्रादेशिक विभाग थाना, श्री अविनाश अंबुरे पुलिस उपायुक्त परिमंडल एक थाने, श्री व्यंकट आधळे सहायक पुलिस आयुक्त कलवा विभाग ठाणे, श्री सचिन गावडे वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शील डायगर पुलिस स्टेशन थाने के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक (प्रशासन) गुलफरोज मुजावर, पुलिस निरीक्षक गुनाह रामचंद्र मोहिते, पुलिस निरीक्षक सुधाकर जाधव, सहायक पुलिस निरीक्षक कापडणीस, सहायक पुलिस निरीक्षक सरफरे, सहायक पुलिस निरीक्षक आरळेकर, सहायक पुलिस निरीक्षक मलिक, पुलिस हवलदार भामरे, पुलिस नाईक विक्रांत काबळे, पुलिस नाईक मुकुंद अवार्ड, पुलिस नायक धनंजय आहेर, इन लोगों द्वारा इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

साल 2030 में जेल से छूट जाएगा अबू सलेम, पुर्तगाल को दिए गए आश्वासन के चलते बाध्य है भारत सरकार: केंद्रीय गृह सचिव

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह सचिव ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि सरकार तत्कालीन उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी द्वारा पुर्तगाल सरकार को दिए गए इस आश्वासन के चलते बाध्य है कि गैंगस्टर अबू सलेम को 25 साल से अधिक की सजा नहीं दी जाएगी। न्यायालय ने 12 अप्रैल को केंद्रीय गृह सचिव को निर्देश दिया था कि वह हलफनामा दाखिल कर बताएं कि क्या भारत सरकार पुर्तगाल सरकार को दिये गये इस औपचारिक आश्वासन का पालन करने जा रही है कि कुख्यात अपराधी अबू सलेम को दी गयी अधिकतम सजा 25 साल से ज्यादा नहीं होगी। कोर्ट के इस आदेश के बाद दाखिल हलफनामे में केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने कहा कि 10 नवंबर, 2030 को 25 साल की अवधि समाप्त हो जाने के बाद यह आश्वासन प्रभावी होगा। शपथ पत्र में कहा गया है, 'यह सम्मानपूर्वक बताया जाता है कि भारत

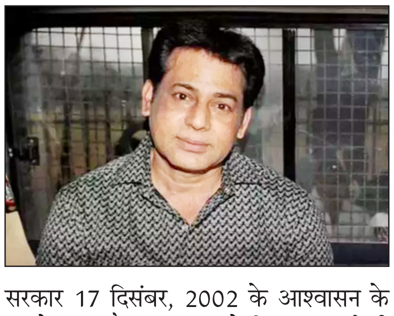

सरकार 17 दिसंबर, 2002 के आश्वासन के चलते बाध्य है। आश्वासन में जिस 25 वर्ष की अवधि का जिक्र किया गया है, भारत उसका उचित समय पर पालन करेगा।' गृह सचिव ने अभ्यावेदन में कहा कि आश्वासन का पालन नहीं किए जाने का सलेम का दावा समय से पहले किया गया है और काल्पनिक अनुमानों पर आधारित है तथा वर्तमान कार्यवाही में उसे नहीं उठाया जा सकता। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका, कार्यपालिका द्वारा अपनाए गए किसी भी रुख से बंधे बिना और आपराधिक मामलों सहित सभी मामलों में लागू कानूनों के अनुसार फैसला लेने के लिए स्वतंत्र है। इस मामले पर न्यायमूर्ति एस के कौल और एम एम सुंदरेश की पीठ 21 अप्रैल को सुनवाई करेगी। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने केंद्र से इस विषय पर रुख स्पष्ट करने को कहा था। कोर्ट ने कहा था कि केंद्र सरकार की इस प्रतिबद्धता पर उसके रुख का अगली बार किसी भगोड़े को देश लाने के संबंध में व्यापक असर पड़ेगा। शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दाखिल हलफनामे से संतुष्ट नहीं है, जिसमें कहा गया है कि मुंबई में 1993 में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोटों के दोषी सलेम के प्रत्यर्पण के दौरान पुर्तगाल सरकार को दिया गया भारत का आश्वासन भारतीय अदालतों के लिए बाध्यकारी नहीं है।

मुंबई की रिहायशी इमारत के फ्लैट में आग लगी, कोई हताहत नहीं

मुंबई। मुंबई के सांताक्रूज इलाके में बुधवार को 11 मंजिला रिहायशी इमारत के एक फ्लैट में आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के एक अधिकारी ने बताया कि सांताक्रूज (पूर्व) में सीएसटी सड़क पर स्थित एर्ज़िओम इनिज़िया इमारत के एक फ्लैट में आग लग गई और पुलिस नियंत्रण कक्ष को सुबह करीब 11 बजे इसकी जानकारी दी गई। अधिकारी ने बताया कि दमकल की छह गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग को 11 बजकर 20 मिनट पर बुझा दिया गया। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल सका है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र फोन टैपिंग कंट्रोवर्सी

महाराष्ट्र स्टेट इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट की पूर्व प्रमुख रश्मि शुक्ला के खिलाफ जांच करने वाली कुलाबा पुलिस ने यह पाया है कि फडणवीस सरकार के कार्यकाल में असामाजिक तत्व बताकर राउत के फोन की 60 दिन तक और खड़से के फोन की 67 दिनों तक टैपिंग की गई। पुलिस ने बुधवार को कहा कि फडणवीस सरकार के कार्यकाल में स्टेट इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट ने कुछ और लोगों के नाम असामाजिक तत्वों की लिस्ट में डाल दिए थे। यह लिस्ट गृह विभाग को भेजी गई थी और उसके बाद फोन टैपिंग की मंजूरी दी गई थी। आरोप है कि रश्मि शुक्ला की ओर से यह टैपिंग 2019 के दौरान कराई गई थी। महाराष्ट्र के पूर्व डीजीपी संजय पांडे के आदेश के बाद मार्च के आखिरी हफ्ते में इस मामले में मुंबई की साइबर सेल में भी एक एफआईआर रजिस्टर हुई थी। नियमों के मुताबिक, अगर बहुत ज्यादा इमरजेंसी हो तो ऐसी स्थित में पहली बार 7 दिन और दूसरी बार एसीएस होम की इजाजत लेकर 60 दिन, उससे ज्यादा या कम दिनों तक फोन टैप किया जा सकता है। मुंबई पुलिस का दावा है कि राउत का एक बार फोन टैपहुआ। वहीं खड़से का फोन दो बार टैपिंग पर रखा गया था। पहली बार 7 दिनों के लिए और दूसरी बार 60 दिनों के लिए। इसी मामले में मुंबई पुलिस ने उस समय के एसीएस होम एस कुमार का भी बयान दर्ज किया है। कुमार ने अपने बयान में बताया कि उनके पास जो एसआईडी की तरह से फोन टैपिंग की रिक्वेस्ट आई थी, उसमें एकनाथ खड़से और संजय राउत का नाम नहीं था। एसआईडी की तरफ से जो रिक्वेस्ट गई थी वो गलत नाम से गई थी, ताकि खड़से या राउत का फोन टैप हो रहा है, ये किसी को पता न चले। इस मामले में पुलिस ने अब तक 10 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए हैं।

करोड़ों रुपये की हेरोइन के साथ विदेशी नागरिक गिरफ्तार

द्वारका पुलिस ने 15 दिनों के भीतर चार अफ्रीकी नागरिकों को हेरोइन तस्करी में गिरफ्तार कर चुकी है। जिला पुलिस उपायुक्त शंकर चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर की पहचान नाइजीरिया निवासी मंडे ओनीमकोबी के रूप में हुई है। वह मोहन गार्डन इलाके में रहकर तस्करी कर रहा था। एएसआई करतार सिंह को गुप्त सूचना मिली की मोहन गार्डन इलाके में एक विदेशी नागरिक ड्रग तस्करी में लिप्त है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने निगरानी बढ़ाई और आरोपी नागरिक के घर पर दबिश दी। तलाशी के दौरान उसके पास से हेरोइन बरामद कर ली। पूछताछ में आरोपी ने बताया बरामद हेरोइन को उसने जो नाम के युवक से लिया था। पुलिस उसके निशानदेही पर आपूर्ति करने वाले आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

कैश वैन लेकर भागे चालक को नवी मुंबई पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिंह ने कहा, एनआरआई पुलिस ने बहुत मेहनत की और बिना किसी सुराग के आरोपी का पता लगा लिया। सुरक्षा एजेंसी ने सत्यापन नहीं किया। सीएमएस सिक्योरिटीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने ड्राइवर को काम पर रखने के दौरान एसओपी का पालन नहीं किया। सिंह ने कहा, बैंक अधिकारियों के साथ एक बैठक हुई और हमने उनसे जनता के पैसे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने को कहा है। जनता के पैसे की सुरक्षा के बारे में इस तरह का ढुलमुल रवैया बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार चालक संदीप दलवी (36) निवासी कोपरखैरणे ने अकेले ही वारदात को अंजाम दिया। पुलिस आयुक्त ने 24 घंटे के भीतर मामले को सुलझाने के लिए एनआरआई तटीय पुलिस के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि अपराध में कोई और शामिल नहीं था और दलवी ने अकेले काम किया। 13 अप्रैल की शाम करीब 8।20 बजे, एक निजी सुरक्षा एजेंसी के चालक दलवी, उल्वे से वैन के साथ 82,50,000 रुपये नकद लेकर भाग गए, जबकि अन्य एजेंसी कर्मचारी सेक्टर 19 में बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में नकद जमा कर रहे थे। चालक ने वैन को बेलापुर के अपोलो अस्पताल के पास छोड़ दिया, लेकिन नकदी गायब थी।

3 मई के बाद राज्य में विस्फोटक स्थिति पैदा हो सकती है

उन्होंने केंद्र सरकार पर दोषियों को सुरक्षा मुहैया कराने का भी आरोप लगाया और कहा कि यह राज्य के अधिकारों के लिए एक बड़ा झटका है। अमरावती में हुई हिंसा को लेकर संरक्षक मंत्री यशोमती ठाकुर ने कहा कि विवाद झंडा फहराने को लेकर पैदा हुआ है। गिरफ्तार किए गए भाजपा कार्यकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया है। बीजेपी अमरावती में तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। महाराष्ट्र के मौजूदा हालात को देखते हुए दंगा भड़काने की कोशिश की जा रही है । बीजेपी सत्ता पाने के लिए ये सब कर रही है।

कोरोना वायरस: वैज्ञानिक बोले- कोविड के मामलों में आई हालिया तेजी चौथी लहर नहीं, लेकिन सतर्कता जरूरी

नई दिल्ली। देश के कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में एक बार फिर तेजी दर्ज की जा रही है। इस बीच देश के एक शीर्ष वैज्ञानिक ने कहा है कि मामलों की संख्या बढ़ने से महामारी की चौथी लहर आने की संभावना नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार आईसीएमआर के पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. आर गंगाखेड़कर ने बुधवार को कहा कि भारत में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट के सब वैरिएंट हैं लेकिन अभी तक कोई नया वैरिएंट सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह किसी भी तरह से चौथी लहर है। हमें एक बात समझनी होगी कि पूरी दुनिया बीए.2 वैरिएंट से प्रभावित हो रही है, जो लोगों को रोज संक्रमित कर रहा है। इसका मतलब यह नहीं है कि यह कोरोना की चौथी लहर है। डॉ. गंगाखेड़कर ने आगे कहा कि स्कूल-कॉलेजों के खुलने की वजह से लोग सामाजिक रूप से सक्रिय हुए हैं जिसके परिणामस्वरूप मामले बढ़ रहे हैं। मास्क पहनने की अनिवार्यता को समाप्त करना भी मामलों में तेजी आने का एक अहम कारण है।

मास्क की अनिवार्यता हटाने का गलत अर्थ निकाल रहे कुछ लोग

उन्होंने कहा कि यह सच है कि हम में से कुछ लोगों ने मास्क पहनने के नियम को गलत तरीके से समझा है। इसे नियम को हटाए जाने का मतलब यह नहीं है कि अब संक्रमण का कोई डर नहीं रहा है और अब हम अधिक आजादी के साथ घूम सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि लॉकडाउन में ढील देने पर मामलों में तेजी देखने को मिलेगी। जिनकी आयु अधिक है, जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है, जो संक्रमित हो चुके हैं, उन्हें यह ध्यान रखने की जरूरत है कि वह सार्वजनिक स्थानों पर जाएं तो मास्क जरूर पहनें।

स्कूल-कॉलेजों को एक बार फिर बंद करना सही कदम नहीं होगा

वहीं, स्कूलों को फिर से बंद करने के सवाल पर डॉ. गंगाखेड़कर ने कहा कि हमें यह कदम नहीं उठाना चाहिए। इससे छात्रों की शिक्षा के साथ पूरे विकास पर असर पड़ेगा। 12 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे छात्रों को जिनका प्रतिरक्षा तंत्र कमजोर है, उन्हें जल्द से जल्द टीके की खुराक लगवानी चाहिए। इससे वह संक्रमण से सुरक्षित रहेंगे।

अजय कुमार सूद बने प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार

अजय कुमार सूद को सरकार का प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। कार्मिक मंत्रालय ने बुधवार को जारी आदेश में यह जानकारी दी। सूद प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इनोवेशन सलाहकार परिषद के सदस्य थे। उन्हें प्रसिद्ध जीव विज्ञानी के विजय राघवन की जगह नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा।

आगरा में बोले अखिलेश यादव: प्रदेश में अवैध बनी सरकार पर कब चलेगा बुलडोजर

आगरा। समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नेता विपक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को आगरा में योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार खुद अवैध बनी है। जो जन समर्थन मिलना चाहिए था वो वोट में दिखाई नहीं देता। इस सरकार पर कब चलेगा बुलडोजर। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी जैसे बुनियादी मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए बुलडोजर का सहारा लिया जा रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव बुधवार शाम को भीमनगरी आयोजन समिति अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यमंत्री अजयशील गौतम के निवास पर पहुंचे। उन्होंने भीमनगरी हादसे पर दुख जताया। बता दें कि 14 अप्रैल की रात भीमनगरी मंच पर लाइट स्टैंड गिरने से हादसा हुआ था। इसमें पूर्व प्रधान की मौत हो गई। पूर्व विधायक व भीम नगरी आयोजन समिति पदाधिकारी घायल हुए थे। अखिलेश यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुझे समारोह में आना था, लेकिन मैं नहीं आ सका। घायलों के प्रति संवेदना व्यक्त करने आया हूं। विधानसभा चुनाव में अपेक्षित सीट नहीं मिलने के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि सरकार अवैध बनी है। बिना वैध-अवैध का फैसला हुए घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्योंकि ये संविधान को नहीं मानते। महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ये सब हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि अवैध बनी सरकार पर बुलडोजर कब चलेगा? सैफई से सड़क मार्ग से बुधवार शाम पांच बजे अखिलेश यादव नगला पदमा पहुंचे। जहां हादसे के घायलों से हालचाल जाना। फिर एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे।

नक्सली नेता नर्मदा एक्का की मुंबई के अस्पताल में मौत

मुंबई। महाराष्ट्र और अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों में दर्जनों आपराधिक मामलों का सामना करने वाली वरिष्ठ नक्सली नेता उप्पुगंती निर्मला कुमारी उर्फ नर्मदा एक्का की कैंसर से मौत हो गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक्का वर्ष 2019 में गढ़चिरौली में पुलिस टीम पर हुए जानलेवा हमले में भी कथित तौर पर शामिल रही थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, नर्मदा एक्का (63) को चार साल पहले कैंसर से ग्रसित होने का पता चला था और नौ अप्रैल को मुंबई के उपनगर बांद्रा में एक सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति की सदस्य रही एक्का को 11 जून, 2019 को उसके पति किरण उर्फ सुधाकर के साथ गढ़चिरौली नक्सल हमले में उनकी कथित भूमिका के लिए पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

श्रीलंका में सड़कों पर उतरे लोग
प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने की फायरिंग, एक की मौत

कोलंबो। श्रीलंका में सरकार विरोधी प्रदर्शन में शामिल लोगों पर पुलिस ने फायरिंग की है। मंगलवार को हुई पुलिस फायरिंग में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई है और कम से कम 10 लोग घायल हैं। भारी आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में बीते कई दिनों से हजारों की तादाद में लोग मौजूदा सरकार खिलाफ सड़कों पर हैं। पुलिस की ओर से फायरिंग का ये पहला मौका है। श्रीलंका पुलिस की ओर से कहा गया है कि मंगलवार को प्रदर्शनकारियों के हिंसा करने और पुलिसकर्मियों पर पथराव करने के बाद उनको काबू करने के लिए गोलियां चलानी पड़ीं, जिसमें एक शख्स की मौत हो गई।

भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहा श्रीलंका

श्रीलंका में आर्थिक संकट के चलते ईंधन की भारी कमी है, पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं और बिजली कटौती हो रही है। जिसके चलते लगातार सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज हो रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे लोग राष्ट्रपति गोटाभाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। ईंधन की भारी कमी के साथ-साथ श्रीलंका में खाद्य सामग्री और दवाओं की भी कमी हो गई है।

मालदीव में एडमिरल कुमार ने राष्ट्रपति सोलिह से मुलाकात की

संवाददाता / माले

मालदीव की तीन दिन की यात्रा पर गये नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने मंगलवार को राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह से मुलाकात कर परस्पर महत्व के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। नौसेना प्रमुख बनने के बाद एडमिरल कुमार की यह पहली विदेश यात्रा है और वह बुधवार तक मालदीव में रहेंगे। एडमिरल कुमार ने राष्ट्रपति सोलिह के अलावा मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद, रक्षा मंत्री सुश्री मारिया अहमद दीदी और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ मेजर जनरल अब्दुल्ला शामल के साथ भी मुलाकात की।

दीदी के सम्मान में आईएनएस सतलज पर भोज

नौसेना प्रमुख ने इन दिनों मालदीव गए भारतीय नौसैनिक पोत सतलज पर सोमवार को मालदीव की रक्षा मंत्री मारिया अहमद दीदी तथा मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स के वरिष्ठ अधिकारियों के सम्मान में भोज का आयोजन किया। आईएनएस सतलज जल सर्वेक्षण संबंधी कार्य से इन दिनों मालदीव में तैनात है। इस मौके पर उन्होंने दोनों देशों द्वारा संयुक्त रूप से बनाये गये पहले नेविगेशन चार्ट का अनावरण किया और मालदीव को जल सर्वेक्षण उपकरण भी दिये।

पीएम मोदी के साथ करेंगी बैठक, राष्ट्रपति व अन्य प्रमुख लोगों से भी मिलेंगी
24 को भारत दौरे पर आएंगी यूरोपियन कमीशन की अध्यक्ष

संवाददाता / नई दिल्ली

यूरोपियन कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन 24-25 अप्रैल को भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगी। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा है कि अपने भारत दौर पर यूरोपियन कमीशन की अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। वह राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और अन्य प्रमुख व्यक्तियों से भी मुलाकात करेंगी। मंत्रालय ने बताया कि उन्हें रायसीना डायलॉग के इस साल के कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। वह 25 अप्रैल को होने वाले उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यूरोपियन कमीशन के अध्यक्ष की यात्रा यूरोपियन यूनियन के साथ रिश्तों की प्रगति की समीक्षा करने और उसके साथ बहुआयामी साझेदारी को और तेज करने का अवसर बनने वाला है।

रणनीतिक साझेदारी शेयर करते हैं भारत-ईयू

मंत्रालय ने कहा भारत और यूरोपियन यूनियन एक जीवंत रणनीतिक साझेदारी शेयर करते हैं। ये साझेदारी राजनीतिक और सामरिक, व्यापार और वाणिज्य, जलवायु और स्थिरता, डिजिटल और टेक्नोलॉजी के पहलुओं के साथ-साथ लोगों से लोगों के संबंधों में व्यापक और गहन सहयोग के साथ मजबूत विकास देख रही है। उनका भारत दौरा रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच हो रहा है।

चुनौतीपूर्ण द्विपक्षीय मुद्दों पर होगी बात

रायसीना डायलॉग का मुख्य उद्देश्य एशिया के साथ एकीकरण करना है। इसके अलावा, दुनिया के साथ एशिया के रिश्तों को बेहतर बनाना और नए अवसरों की तलाश करना है। बहुपक्षीय सम्मेलन माने जाने वाले रायसीना डायलॉग में दुनिया के सामने आने वाले चुनौतीपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की जाती है।

क्या है रायसीना डायलॉग जिसमें हिस्सा लेंगी लेयन

रायसीना डायलॉग की शुरुआत 2016 में की गई थी। इस वार्षिक सम्मेलन में भू-राजनीतिक एवं भू-आर्थिक मुद्दों पर चर्चा होती है। रायसीना डायलॉग का आयोजन भारत का विदेश मंत्रालय और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन मिलकर करते हैं। इसमें नीति-निर्माताओं, विभिन्न देशों के हितधारकों, नेताओं, पत्रकारों और व्यापार जगत से जुड़े लोग हिस्सा लेते हैं। साथ ही विभिन्न देशों के विदेश, रक्षा और वित्त मंत्री भी शामिल होते हैं। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना साल 1990 में हुई थी और ये दिल्ली में मौजूद एक स्वतंत्र थिंक टैंक है।

मुस्लिम महासंघ ने जंगे ए बदर 17 वां रोजा पर रखा इफ्तारी प्रोग्राम

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। मुस्लिम महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद दानिश अली ने बताया कि उदयपुर पलटन मस्जिद में जंग ए बदर 17 वे रोजे पर रोजा इफ्तार कि गयी। जंग ए बदर को यौमे फुरकान के नाम से जाना जाता है। और 17 वे रोजे के मौके पर रोजेदारों ने बडी सँख्या में हिस्सा लिया। मस्जिद के ईमाम मुर्तजा रिजवी साहब ने कुरान पाक की तिलावत कर जंग ए बदर में शहीदो को खिराजे अकीदत पेश की बताया की अगर किसी हजरात का कोई काम नही हो रहा हो तो 313 बार दुरूद पड़ कर दुआ मागे तो जरूर कबूल होगी। प्रदेश अध्यक्ष हनीफ खान ने कहा की वर्तमान समय मे देश मे भाई चारा बढ़ाने व देश के विकास के लिये शांति जरूरी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मुहम्मद बक्ष ने जंग ए बदर के शहीदो से निस्बत हासिल कर सही सच्चे रास्ते पर चलने की अपील की। और रमजान महिना हमे सब्र करना सिखाता है। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव के आर सिद्दिकी, शफी मैके, शफी इंजी, तौकीर रजा, शादाब खान, अहमद हुसैन, जुबैर खान, रईस खान, इब्राहिम खेरादि, रशीद खान, इमरान, मुजिबुदिन, माजिद खान, मोहसिन खान, मजीद, अहमद रफीक छिपा आदि मुस्लिम महासंघ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रामपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की तरफ से अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड प्रथम

संवाददाता सुबहान अली

रामपुर। कार्यालय द्वारा बिजली बिलों में लगातार जमकर गड़बड़ी व हेरा फेरी के संबंध में जिला अधिकारी महोदय संबंधित नगर मजिस्ट्रेट महोदय को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी द्वारा बताया गया। कि अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड प्रथम कार्यालय द्वारा बिजली बिलों में लगातार जमकर गड़बड़ी व हेराफेरी की जा रही है। बिजली बिलों में बिना किसी आधार के भारी भरकम धनराशि का बिल बनाकर ब्लैक मेलिंग का लगातार प्रयास किया जा रहा है।साथ ही बिजली चेकिंग के नाम पर जनता व व्यापारी समाज पर जबरदस्त उत्पीड़न व अत्याचार किया जा रहा है।साथ ही बिजली कटौती भी शहर रामपुर में अनेकों मोहल्लों व क्षेत्रों में जमकर की जा रही है। विभाग की इस कार्यवाही से पूरे शहर की जनता में त्राहि-त्राहि मच गई है। विभाग के कुछ अधिकारियों ने शहर में दहशत फैलाकर हाहाकार मचा दिया है जिससे जनता बेहद परेशान है। इस अवसर पर व्यापार मंडल द्वारा मांगी गई कि कृपया जनहित में रामपुर शहर की जनता पर विभाग द्वारा किए जा रहे जुल्म व उत्पीड़न को रोकना अति आवश्यक हो गया है। इस अवसर पर नीतीश अग्रवाल, सलविंदर विराट, मैंराज हुसैन, महफूज हुसैन, पुलकित अग्रवाल, यशपाल यादव, योगेश अग्रवाल, सरदार टोरा सिंह, शाहिद अली, कन्हैया लाल पटवा, सआदत अंसारी, शेबू खान, शहजैब खान, वीरेंद्र चौरसिया, आशीष अग्रवाल, सोहेल खान, हरिओम सैनी, राजीव कश्यप, सलीम हाजी, मदन भाटिया, रूप सिंह सैनी, लालमन सैनी, विजय सैनी, सोहेल अहमद खान, सिद्धार्थ भटनागर आदि उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी अमित गुप्ता उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला रामपुर उत्तर प्रदेश।

स्वामी विवेकानंद बी.एड कॉलेज में आचार्यश्री लोकेश संस्कृत के करकमलों से आरंभ हुआ सात दिवसीय समाजोपयोगी शिविर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर, सींथल। सींथल स्थित स्वामी विवेकानंद बी.एड कॉलेज में समाजोपयोगी कार्यो का सात दिवसीय शिविर आरम्भ हुआ जिसका सरस्वती मां की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ सनातन धर्म प्रचारक व वन्दे गोमातरम परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्यश्री लोकेश संस्कृत के करकमलों से हुआ इस अवसर पर विशिष्ट अथिति गुरूकुल प्रबंधक बाबूलाल मोहता तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. विजय आचार्य ने की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप छात्राअध्यापिकाओ को सम्बोधित करते हुए आचार्यश्री लोकेश संस्कृत ने कहा कि शिक्षक श्रेष्ठता तभी है जब शिक्षक और छात्रों के मध्य मानसिक रूप से सकारात्मक सामंजस्य रहे।उन्होंने सनातन धर्म के माध्यम से जीवन जीने की बारिकियों पर प्रकाश डालते हुए दस प्रकार सृष्टि व उनके परस्पर सामंजस्य व प्रत्येक व्यक्ति के सामाजिक दायित्व पर व्याख्यान दिया इस अवसर पर बाबूलाल जी मोहता ने अखंड भारत के सपने को साकार करने के संकल्प की शपथ दिलाया प्रभारी डॉ रेणु शर्मा ने बताया कि इसके अंतर्गत विभिन्न राज्यों की संस्कृति वेशभूषा खानपान भाषा आदि से विद्वान व्याख्याता गण के मार्गदर्शन में आयोजित की जाती है। डॉ सरोज राठौड़ ने कहा कि सह शैक्षणिक गतिविधियां भी होंगी जिसमें सामान्य ज्ञान निबंध, वाद विवाद आशु भाषण आदि सम्मिलित है इन समस्त गतिविधियों के लिए अलग-अलग हाउसेस भी बनाए गए हैं।

कानपुर में ट्रांसपोर्टरों ने शुरू की यूपी एम टी ए के चुनाव की तैयारियां: 24 को जनरल बॉडी की मीटिंग

चुनाव में कई महारथियों के बीच तगड़ी भिड़ंत के आसार

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां ट्रांसपोर्टरों के सबसे बड़े संगठन यूपी मोटर्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी गई है। इसके लिए जनरल बॉडी की मीटिंग 24 अप्रैल को बुलाई गई है, जिसमें बैलेंस शीट प्रस्तुत किए जाने के बाद पिछली कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त मान लिया जाएगा। यूपी मोटर्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान संरक्षक वरिष्ठ नेता गुलशन गांधी ने यहां बताया कि आगामी 24 अप्रैल को होने वाली इसी मीटिंग में चुनाव अधिकारी के नाम और चुनाव कराने की भी घोषणा की जाएगी। उन्होंने बताया कि संस्था के संविधान के मुताबिक जनरल बॉडी की मीटिंग के बाद यह चुनाव अधिकतम 90 दिन के अंदर संपन्न कराया जाना अनिवार्य है। यूपी एम टी ए के इस चुनाव में अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री और प्रचार मंत्री के एक-एक पद के साथ ही तीन उपाध्यक्ष 3 मंत्री और 3 संयुक्त मंत्री के भी एक-एक पद का चुनाव होना है और इसमें मतदान करने के अधिकारी वही होंगे, जिन्होंने सदस्यता शुल्क जमा कर दिया होगा। मिली जानकारी के मुताबिक कानपुर में यूपी मोटर्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के सदस्यों की संख्या लगभग 900 के आसपास है, जिसमें लगभग 700 लोग सदस्यता के लिए आवश्यक शुल्क जमा कर चुके हैं। हर 2 साल में होने वाला यह चुनाव इस बार 5 साल बाद होने जा रहा है। इसके पहले यूपी एम टी ए का यह चुनाव सन 2017 में हुआ था। ट्रांसपोर्टरों की इस जानी-मानी संस्था का गठन 1963 में किया गया था। ट्रांसपोर्टरों की इस संस्था के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मुख्यालय का उद्घाटन स्वतंत्रता सेनानी परिवार के साथ शहीदे आजम भगत सिंह सरदार भगत सिंह की मां द्वारा किया गया था। ट्रांसपोर्टरों के हित में जुझारू तेवरों वाले गुरबख्श लाल बख्शी बाबू भी इस संस्था के 4 साल लगातार सफल अध्यक्ष रहे। इसके बाद उनके दोनों पुत्रों गुलशन गांधी और सतीश गांधी पाली बाबू को भी अध्यक्ष के रूप में ट्रांसपोर्टरों के हित में संघर्ष करने का मौका मिल चुका है। जबकि इनके पहले पदम सिंह कुशवाहा, राजकुमार मिश्रा, रवि गुप्ता, रामकिशन वर्मा, देवी प्रसाद मिश्रा, सुभाष मलिक और श्याम गुप्ता, आदि भी अध्यक्ष के रूप में संस्था का संचालन कर चुके हैं। सतीश गांधी पाली बाबू के कोरोना से निधन के बाद आजकल यह महत्वपूर्ण पद विमल कुमार शुक्ला उर्फ रामू भइया के पास है। जबकि सतीश गांधी पाली बाबू के कार्यकाल वाले मनीष कटारिया महामंत्री हैं। समस्याओं के खिलाफ ट्रांसपोर्टरों के हित में जुझारू संघर्ष करने वाले नेताओं और पदाधिकारियों में गिने जाने वाले श्याम शुक्ला ने बताया ट्रांसपोर्टरों की इस महत्वपूर्ण संस्था यूपीएम टीए का मुख्य उद्देश्य ट्रांसपोर्टरों को हर तरह की समस्याओं, उत्पीड़न और शोषण आदि से मुक्ति दिलाना है, जिसके लिए कोई भी कोर कसर ना तो कभी पहले रखी गई थी और ना ही भविष्य में रखी जायेगी। इसके लिए चाहे कोई भी कीमत क्यों ना चुकानी पड़े।

24 को जनरल बॉडी की मीटिंग के बाद 90 दिन के भीतर कराने होंगे अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री और प्रचार मंत्री के एक-एक पद के साथ ही तीन उपाध्यक्ष 3 मंत्री और 3 संयुक्त मंत्री के भी एक-एक पद का चुनाव

संकल्प सेवा समिति का 100वां रक्तदान शिविर सम्पन्न

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां जिला गंगा समिति के तत्वावधान में संकल्प सेवा समिति ने अपना 100वां रक्तदान शिविर लवकुश वाटिका गंगा बैराज में आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ डी एफ ओ अरविन्द्र यादव द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि अपर जिला अधिकारी सिटी रहे। संकल्प सेवा समिति के अध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि गर्मियों में हमेशा ब्लड बैंक में ब्लड की कमी रहती है, जिससे थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चे, प्रसूता महिलाओं, सड़क दुर्घटना में घायल लोगो को ब्लड नही मिल पाता है, अतः शहर के ब्लड बैंक में रक्त की कमी ना होने पाये, इसी उद्देश्य से समय समय पर नियमित रूप से संकल्प सेवा समिति के द्वारा आम जनमानस के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किये जाते हैं। इस रक्तदान शिविर में डॉ0 सरवन सिंह व उनकी पत्नी, संदीप सिंह, योगेन्द्र सिंह चौहान, रजनेश, प्रभात अवस्थी, प्रभा पाण्डेय, प्राची मिश्रा, सुमन श्रीवास्तव, कृष्णा भदौरिया, गंगा टास्क फोर्स की टीम के सदस्य, एन सी सी के लोगो सहित 125 रक्तदाताओ ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओ को डी एफ ओ ने प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया, रक्तदान शिविर आयोजित करने वाली टीम में मुख्य रूप से अनिल सिंह, उमेश निगम, राजनरायन द्विवेदी, डॉ लोकेंद्र सिंह, जयपाल राणा, सुबोध, पुनीत, विमल, अकांक्षा, मानसी सहित अन्य समाजसेवी मौजूद रहे।

स्वाभिमानी आंदोलन को सफलता

5 दिन में कट जाएगी पानी की सप्लाई

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। स्वाभिमानी शेतकरी संगठन ने न, पा के मुख्याधिकारी को 5 दिन के आड में जलापूर्ति के लिए ज्ञापन सौंपा था, जिसमें अनुरोध किया गया था कि रमजान का पवित्र महीना अप्रैल के महीने में शुरू हो गया। वहीं मुस्लिम भाइयों का रोजे शुरू है। इसके बावजूद नगर प्रशासन आठवें दिन की पानी की आपूर्ति कर रहा है। इसके चलते नगर प्रशासन रमजान के पवित्र महीने के दौरान 5 दिन आड पानी की आपूर्ति कर नागरिकों का उत्पीड़न बंद करे। लेकिन, इस चेतावनी की अनदेखी करते हुए 5 दिन से जलापूर्ति बहाल नहीं की गई। इसलिए 18 अप्रैल, 2022 को स्वाभिमानी शेतकारी संगठन ने नगर पालिका के मुख्य अधिकारी को घेराव कर 2 घंटे तक धरना दिया। स्वाभिमानी के ठीया आंदोलन ने नगर निगम प्रशासन में हलचल पैदा कर दी। उस समय मुख्य अधिकारी ने स्वाभिमानी के शेख रेफीक को आश्वासन दिया था कि आज से 5वें दिन जलापूर्ति शुरू कर दी जाएगी। वादे के मुताबिक मुख्य अधिकारी ने वादा पूरा करते हुए पावने के 5वें दिन दो घंटे तक जलापूर्ति शुरू कर दी है। इसलिए मुस्लिम भाइयों में उत्साह का माहौल दिखाई दे रहा है।

दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम (प्रिंसिपल) मुफ़्ती अबुल कासिम नोमानी साहब का पैगाम हिंद के मुसलमानों के नाम

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

देवबंद। मुसलमानों को चाहिये कि इस दौर में अपने दिल को मजबूत रखें खौफ और दहशत को दिल से निकाले, मौत का खौफ दिल से निकाले, मौत बरहक है, एक न एक दिन जरूरी आयेगी, मौत के डर से हम घरों मे बैठ कर काँपते रहे ये हमारा तरीका नही है। खुदा-ना-खास्ता अगर हालात ऐसे हो जाये कि हमारे जानो-माल पर हमला हो जाये तो बुजदिल बन कर घरों में ना बैठे रहें, हम अमन के मुहाफिज है अपनी तरफ से कोई इकदाम हम अमन के खिलाफ नही करेंगे, लेकिन अगर हमारे जानो-माल हमारी इज्जत-आबरू पर कोई हमलावर होता है, तो सिर्फ नारे तकबीर ना लगाये छतों पर चढ़ कर बल्की अल्लाह ने जितनी ताकत दी है जितनी हिम्मत दी है जितने असबाब फराहम हो उनके जरिये अपना दिफा करने की कोशिश करनी करें। फिर कहूँगा मौत आये तो इज्जत के साथ आये मौत आयेगी एक वक्त जरूर आयेगी लेकिन अपने दिलो के अंदर खौफ बैठा कर, कमजोरी बैठा कर अपने को दूसरों के सुपुर्द कर देना, हवाले कर देना ये ईमान वाले कि शान नही है, अल्लाह हम सबको सही समझ आता फरमाये सही अमल करने की तौफीक आता फरमाये।

15 दिनों में 3-4 किलो वजन घटाएगी यह ड्रिंक लेकिन नियम जानना जरूरी

वजन कंट्रोल करने के लिए लोग सिर्फ जिम ही नहीं देसी नुस्खों को भी फॉलो कर रहे हैं क्योंकि एक तो यह असरदार होते हैं, दूसरा इनका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। वजन कम करने में चिया सीड्स भी बेहतर विकल्प हैं। बता दें कि चिया सीड्स प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है इसमें सिर्फ प्रोटीन ही नहीं बल्कि फाइबर, ओमेगा-3 फैट भी भरपूर होती है जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट, भूख को शांत करने व फैट बर्न करने वाले बड़े हार्मोन यानी ग्लूकागोन को बढ़ाने में सहायक होते हैं इसीलिए तो इसे वजन घटाने के लिए सुपरफूड्स माना जाता है। साल 2015 में हुई एक रिसर्च के अनुसार, रोजाना 30 ग्राम फाइबर खाया जाए तो आपका वजन तेजी से कम होता है और 2 चम्मच चीया सीड्स में 10 ग्राम फाइबर होता है। चलिए आज हम आपको बताते है कि अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो चिया सीड्स का सेवन कैसे करें।

ड्रिंक बनाने का तरीका

सामग्री :-

➤1 कप पानी

➤1 चम्मच चीया के बीज

➤2 चम्मच नींबू का रस

➤2 चम्मच शहद

इस्तेमाल करने का तरीका :-

सबसे पहले 1 कप में पानी लेकर उसमें 1 चम्मच चीया सीड्स भिगोकर रात भर के लिए रख दें सुबह इसमें शहद और नींबू का रस मिक्स करें और खाली पेट सेवन करें। आप चाहे तो शहद-नींबू के बिना भी इसका सेवन कर सकते हैं। बस आपको इसे लेने के आधे-पौने घंटे बाद किसी चीज का सेवन नहीं करना इससे सिर्फ वजन ही नहीं बल्कि और भी कई लाभ मिलेंगे।

15 दिनों में कम होगा वजन

ध्यान रखें कि आप इस ड्रिंक को लगातार पीकर 15 दिनों में 2 से 4 किलो वजन कम कर सकते हैं लेकिन तभी जब आपके इसके साथ हल्की-फुल्की सैर, एक्सरसाइज करेंगे और डाइट में मीठा व तला भूना खाना छोड़ेंगे।

चिया बीज के अन्य फायदे :-

➤सूजन से राहत

इन बीजों के नियमित सेवन से इनफ्लामेशन यानी सूजन पर नियंत्रण रहता है। यह सूजन शरीर को नुकसान पहुचाने वाले कई रोगों का कारण बनती हैं।

➤कोलेस्ट्रॉल पर कंट्रोल

इन बीजों में ओमेगा-3 बड़ी मात्रा में होता है, जिससे हृदय तथा कोलेस्ट्रॉल संबंधी समस्याएं दूर रहती हैं।

➤कैंसर से बचाव

चीया बीजों में एंटीऑक्सीडेंट्स भी भरपूर मात्रा में होते हैं जो शरीर में से फ्री रैडीकल्स को बाहर निकालने में मदद करते है और फ्री रैडीकल्स का सीधा संबंध हृदय रोग तथा कैंसर से है।

➤तापमान को कंट्रोल रखें

यह शरीर के तापमान को कंट्रोल में रखते हैं। इसमें मौजूद लोहा, ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटेशियम और मैग्नीशियम हमारी अंदरूनी ताकत को बनाए रखने में मदद करते हैं।

जापानी लड़कियों की खूबसूरती का राज है ये ब्यूटी सीक्रेट्स

जापानी महिलाएं दुनियाभर में अपनी बेदाग, निखरी और चमकती स्किन के लिए जानी जाती हैं। वह अपनी ब्यूटी को लेकर काफी सजग रहती हैं। अपनी सुदंरता को बनाए रखने के लिए जापानी लड़कियां कास ब्यूटी टिप्स को फॉलो करती हैं, ताकि उनकी स्किन ग्लोइंग व बेदाग रहे। चलिए आप हम आपको उनके कुछे से ब्यूटी सीक्रेट्स बताते हैं, जिनकी मदद से आप भी खूबसूरत दिख सकती हैं।

हेल्दी डाइट - जापानी लड़कियों की खूबसूरती का सबसे बड़ा राज है उनका खान-पान। वह अपनी डाइट में फल, हरी सब्जी और मछली लेती हैं, जिससे त्वचा को सभी जरूरी तत्व मिल जाते हैं। इसके अलावा उनकी डाइट में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ई और ओमेगा-3 से भरपूर फूड्स शामिल होते हैं।

खाना बनाने का खास तरीका - खाना बनाने की तकनीक भी जापानी महिलाओं का खूबसूरती का खास कारण है। वह कम तेल और स्टिम में खाना पकाते हैं, जिससे उनमें मौजूद न्यूट्रिशियंस बरकरार रहते हैं। इससे बॉडी के साथ-साथ स्किन को भी पूरी तरह से पोषक तत्व मिलते हैं। इसके अलावा खाने में मसालों का सावधानी भी उनके चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है।

नेचुरल ऑयल - स्किन को माइस्चराइज रखने के लिए वह एक खास किस्म का नेचुरल ऑयल यूज करती हैं। साथ ही वह रोजाना एसेंशियल ऑयल जैसे कि चंदन का तेल और लैवेंडर ऑयल अपनी बॉडी में लगाती है।

लोशन मास्क - ग्लोइंग और बेदाग स्किन के लिए वह एक लोशन मास्क नाम का टोनर भी लगाती हैं। इससे त्वचा में कसावट आती है और वह एंटी-एजिंग की समस्याओं से भी बची रहती हैं। इसके लिए थोड़ी कॉटन को टोनर में भिगोकर चेहरे पर कम से कम 10 मिनट तक लगाएं। इसके रोजाना इस्तेमाल से आपके चेहरे में ग्लो आएगा।

शीट मास्क - यह एक पुराना आविष्कार हैं, जो जापानी लोगों की सुंदरता को बनाएं रखने में मदद करता हैं। इस शीट मास्क को पानी में भिगोकर त्वचा पर लगाया जाता हैं, जिससे त्वचा मॉइस्चराइज एवं सुंदर बनी रहती हैं।

ग्रीन टी - जापानी महिलाएं ग्रीन टी पीती हैं, जिसमें उच्च मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। ये मेटाबॉलिज्म की गति बढ़ाते हैं जिससे वजन कम होने के साथ स्किन भी ग्लो करती है। इतना ही नहीं, वह ग्रीन टी बैग्स फेंकने की बजाए उसे चेहरे पर अप्लाई करती है। यह पोर्स कम करता है और स्किन ग्लो करता है।

चावल का पानी - यहां की महिलाएं चेहरा धोने के लिए चावल का पानी यूज करती हैं। चावल को 20 से 30 मिनट के लिए पानी में रखें और उसके बाद उस पानी को एक बॉटल में भर लें। इस बॉटल को फ्रिज में रखकर रोजाना चेहरा धो सकते हैं। चावल के पानी में कई विटामिन और मिनरल्स है जो कि स्किन के लिए बहुत अच्छा है।

फेस मसाज - स्किन प्रॉब्लम्स को दूर रखने और उसे ग्लोइंग बनाने के लिए वह चेहरे की अच्छी तरह मालिश करती हैं। इससे त्वचा में ब्लड फ्लो बढ़ता है, जिससे वो नर्म और लचीली होती है।

इन लोगों को नहीं करना चाहिए काली मिर्च का सेवन, फायदा नहीं होगा नुकसान

आपने आज तक काली मिर्च के सेवन के फायदे ही फायदे सुने होंगे, लेकिन आज हम आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी देंगे। असल में काली मिर्च की तासीर थोड़ी गर्म होती है। इसलिए इसका सेवन कई लोगों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। गर्मियों में इसका सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। आइए अब जानते हैं काली मिर्च का सेवन करने से क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं।

अस्थमा के पेशेंट

काली मिर्च एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होती है, जिसके कारण सांस की तकलीफ वाले लोगों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए। असल में काली मिर्च का तीखापन श्वास प्रणाली के लिए नुकसानदायक हो सकता है। जिस कारण अस्थमा के मरीजों को सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। इसलिए इस बीमारी के पेशेंट काली मिर्च से बिल्कुल दूर रहें।

बच्चों से रखें दूर

काली मिर्च से बच्चे तो वैसे ही दूर भागते हैं, लेकिन इसके औष्धीय गुणों के कारण कई मां-बाप बच्चों को काली मिर्च जबर्दस्ती खिलाते हैं। असल में बच्चों का पाचनतंत्र थोड़ा कमजोर होता है। हो सकता है काली मिर्च के सेवन से उनके पेट या सीने में जलन होने लगे। आप चाहें तो बच्चों की सब्जी में चुटकी भर इसे मिलाकर उन्हें दे सकती हैं।

त्वचा को करे ड्राई

काली मिर्च के एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व स्किन को रुखा बना सकते हैं। अगर आपकी त्वचा पहले से ही ड्राइ है, तो आप काली मिर्च का सेवन बिल्कुल भी न करें। त्वचा के रुखेपन के साथ साथ मुंह पर मुंहासों के बढ़ने का भी एक कारण आवश्यकता से अधिक काली मिर्च का सेवन करना हैं।

प्रेगनेंसी में न खाएं काली मिर्च

मां बनने वाली औरत का शरीर नार्मल बॉडी की तुलना में अधिक गर्मी फील करता है। शरीर में गर्मी का लेवल बिगड़ने से सबसे ज्यादा खतरा बच्चे की जान को रहता है। इसलिए भूलकर भी मां बनने वाली औरत को इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

पेट का अल्सर

काली मिर्च के तीखे स्वभाव के कारण पेट से संबंधित परेशानियों से झूझने वाले लोगों को इसका सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। खासतौर पर पेट के अल्सर वालों को इस मिर्च के साथ अन्य किसी और मिर्च व सपाईसी फूड से दूर रहना चाहिए। काली मिर्च का सेवन करने से पेट का अल्सर और भी बढ़ सकता है।

एसिडिटी

एसिडिटी और पेट में गैस की प्रॉब्लम से परेशान लोग सीधे तौर पर इसका सेवन न करें। आप चाहें तो आपनी सब्जी में लाल मिर्च की जगह काली मिर्च का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सुबह उठकर न करें सेवन

सुबह उठकर काली मिर्च का सेवन करने से आपके ग्ले और पेट में जलन की समस्या पैदा हो सकती है। सुबह उठकर हमेशा ठंडी तासीर वाली चीजों का ही सेवन करना चाहिए। जैसे कि भीगे हुए बादाम या फिर ताजे फलों से तैयार जूस या स्मूदी।

दैनिक मुंबई हलचल

निर्मला देवी

।। भावपूर्ण श्रध्दांजली ।।

उनकी आत्मा को शांति प्राप्त हो,
यह भगवान के चरणों में प्रार्थना है...

पत्रकार भानु प्रकाश मिश्र को मातृशोक

मुंबई। वरिष्ठ पत्रकार भानु प्रकाश मिश्र की माता निर्मला देवी बाबूलाल मिश्र का बीमारी के चलते निधन हो गया। 75 वर्षीय उनकी माता अपने पीछे पति, पुत्रों, पुत्री, नाती पोतों से भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका पिछले एक हफ्ते से प्रयागराज के स्वरूपरानी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा था। मूलतः उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के, कटरा मेदिनी गंज, जलालपुर गांव निवासी मिश्र के मातृशोक पर अनेक पत्रकार संगठनों और दै. मुंबई हलचल समाचार पत्र के संपादक दिलशाद खान ने शोक व्यक्त करते हुए मुक्त आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। साथ ही परिवार को इस असह्य दुःख सहने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

: शोकाकुल :

दैनिक मुंबई हलचल

MUMBAI HALCHAL
Youtube News Channel